



हिन्दी साहित्य
(Hindi Literature)

Mentorship Program
Mukherjee Nagar

टेस्ट-11
(प्रथम प्रश्न-पत्र)

DTVF
OPT-23 HL-2311

निर्धारित समय: तीन घण्टे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

नाम (Name): Payal Gwalawanshi

क्या आप इस चार मुच्छ परीक्षा में रहे हैं? हाँ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.): _____

ई-मेल पता (E-mail address): _____

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 03 August 2023 (11)

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2023] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2023]:

0 8 4 5 8 1 7

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answer must be written in HINDI (Devanagari Script).

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained): _____

टिप्पणी (Remarks): _____

मूल्यांकनकर्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)



Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

दृष्टि इस स्थान में प्रश्न
में सवाल के अंतर्गत कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



खण्ड - क

1. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये:

$10 \times 5 = 50$

(क) यूनीकोड और हिन्दी

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधाम तल,	21, पूरा रोड,	13/15, ताशकंद मार्ग,	प्रधाम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी	स्टॉट नंबर-45 व 45-A
मुख्यमंडी नगर,	करोल बाग,	निकट परिवाका चौराहा,	नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड	हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
दिल्ली	नई दिल्ली	सिंचिल लाइन्स, प्रधामगारा	मार्ग, लखनऊ	वसंतपुरा कलोली, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com



641, प्रधाम तल,	21, पूरा रोड,	13/15, ताशकंद मार्ग,	प्रधाम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी	स्टॉट नंबर-45 व 45-A
मुख्यमंडी नगर,	करोल बाग,	निकट परिवाका चौराहा,	नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड	हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
दिल्ली	नई दिल्ली	सिंचिल लाइन्स, प्रधामगारा	मार्ग, लखनऊ	वसंतपुरा कलोली, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com



कृपया इस स्पान में कोई
विवरण के अंतर्गत कुछ
न लिखें।

Please do not write
anything except the
question number in
this space.

कृपया इस स्पान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्पान में कोई
विवरण के अंतर्गत कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



(ख) 'बुदेली' बोली

बुदेली बोली का विकास रीरसेनी

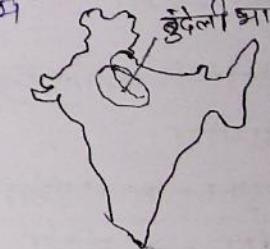
मपभूंश के आंतर्गत पाईची हिन्दी के तहत
हुआ है।

रीरसेनी भपभूंश

पाईची हिन्दी

↓
बुदेली बोली

ऐत- महाराष्ट्र के दीक्षिण, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश के झाँसी, आगरा, भिजपुरी महाराष्ट्र के नागपुर में बुदेली आण्डेज



भाषिक विशेषताएँ

(1) स्वानि स्थ सारंचना
ए रीट भी छापिका
चरोंग

(2) महाप्राण क्लारिजी का अल्पप्राणीकरण

हाश > हात
पाशा > चापा



641, प्रधम तल,	21, पूरा रोड,	13/15, ताशकंव मार्ग,	प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रापटी	प्लॉट नंबर-45 व 45-A
मुख्यनी नगर,	करोल बाग,	निकट परिका चौगाहा,	नं. 47/CC, बरिंगटन आर्केड	हर्ष दावर-2, मेन टोक रोड,
दिल्ली	नई दिल्ली	सिविल लाइन्स, प्रधानगारज	पांच, विधानसभा मार्ग, लखनऊ	हर्ष दावर-2, मेन टोक रोड,
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiLAS.com		पांच, विधानसभा मार्ग, लखनऊ	पांच, विधानसभा मार्ग, लखनऊ	

Copyright - Drishti The Vision Foundation



641, प्रधम तल,	21, पूरा रोड,	13/15, ताशकंव मार्ग,	प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रापटी	प्लॉट नंबर-45 व 45-A
मुख्यनी नगर,	करोल बाग,	निकट परिका चौगाहा,	नं. 47/CC, बरिंगटन आर्केड	हर्ष दावर-2, मेन टोक रोड,
दिल्ली	नई दिल्ली	सिविल लाइन्स, प्रधानगारज	पांच, विधानसभा मार्ग, लखनऊ	हर्ष दावर-2, मेन टोक रोड,
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiLAS.com		पांच, विधानसभा मार्ग, लखनऊ	पांच, विधानसभा मार्ग, लखनऊ	

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतर्गत कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

- (3) ५ के स्थान पर इ (भाग > भागी)
य के स्थान पर अ (र्णि > श्वर्णि)
त के स्थान पर अ (सीढ़िया > छिड़िया)

- (4) क्रियायों में ह का प्रयोग कम
(हि, हो → ही, है)

- (5) ह स्वविक्षा लोप
दा० वाहत → वाउत

- (6) परसारिक रूप में बा० प्रयोग
की → खा०

- (7) एकीलिंग बनाने हेतु इन, इनी प्रत्याधणा
प्रयोग
लड़का → लड़किन
हरिन → हरिनी

- (8) अविघ्यकाल हेतु ह, नी का प्रयोग
बुद्धिली बोली का ऐत्र प्राप्त किया गया।
बड़े ज्वर समुदाय लारा ऐपका प्रयोग किया।
आला है जो इसके के लिये महत्वपूर्ण है।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतर्गत कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

- (ग) देवनागरी लिपि के मानकीकरण हेतु हिंदी साहित्य सम्मेलन के सुझाव

देवनागरी लिपि के मानकीकरण
में कई विचारजनक और संस्थागत प्रयास
किये गये हैं।

हिंदी साहित्य सम्मेलन

वर्ष 1986 में हिंदी साहित्य सम्मेलन
की स्थापना हुई इसके तहत नागरी
लिपि सुन्दर समिति की स्थापना की गई
थी जिसकी अध्यक्षता काका कालौलकर
राशा की गई थी।

पीर महात्मा गांधी-हारा प्रतिमित्रिय
किया गया था।

हिंदी साहित्य सम्मेलन हारा देश ग्रन्थ सुन्दर

- (1) ये भी भ ने गुजराती दुष्टी का
प्रयोग किया जाना चाहिये।

- (2) सावरकर बंधुओं द्वारा दी गई स्वर

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

प्राचीन बारह खण्डी का उत्तरोग होना चाहिए

पुष्टा० अ, आ, भि, ई, शु, अ०

(३) व्यंजन-संरोग के समय अर्धव्यंजन को
नीचे न लिखते हुए दाखी पार लिखा।

उदाह० कट्टू → कट्टू

(४) शिवोरेशा का उत्तरोग होना चाहिए - मुड़ू० में

(५) मात्राओं को कृपया नीचे, लगाने की
समस्या के समाधान हेतु -
मात्राओं को बार्षी से अलग, दाखी
पार घृणक रूप से लिखा।

उदाह० - दिपा → दि द प ा

इस ध्वनाकृति सामान में द्विनामारी
लिखि अपने वैद्यानिक र्पि० (भानकरूप
में विद्यमान है)।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(घ) राष्ट्रभाषा हिंदी के विकास में शियोसंफिकल सोसाइटी का योगदान

राता कर्षे धुरानी है जिसमें महत्वपूर्ण
योगदान स्वतंत्रता आंदोलन और
सामाजिक-सांस्कृतिक सुव्याप्त आंदोलनों
जा रहा है।

शियोसोफिकल सोसाइटी का योगदान

शियोसोफिकल सोसाइटी की
स्थापना बलारुद्धकी पर्सै मैडम अलकाट
द्वारा की गई इसी लिसे बाद में एनी बेमैज
द्वारा नेतृत्व उदान किया गया।

महत्वपूर्ण योगदान

(१) १८१६ में बनारस-हिन्दू कॉलेज की
स्थापना कर हिंदी के उत्तरोग की
विद्यावाचियाँ गया।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
में संलग्न के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(१) शिरोस्मीलिपि लोकाई-हिंदू
यायरिश माहिला दारा क्षापित ही
जिर भी इम्प्रेंटोंजी के क्षाप-पर
अ-हिंदी का ही प्रयोग किया गया।

(२) गाँधीजी के पुन्यार प्रपाठेन्ट-
पत्रिकाओं आदि पर हिंदी का प्रयोग

(३) मङ्गल में यामीनित हिंदी साहित्य
समीलन में एमीबीए०८ द्वारा कहा
गया कि-

“सम्मुखी देश को एक स्वतंत्र में
वांचने हेतु हिंदी संस्कृत सम्पर्क
भाषा है जिसका प्रयोग शिशु के
माध्यम से भी होना चाहिए।”

राष्ट्रभाषा हिंदी के विकास में
आनंदीय कलाओं के साथ ही किंवदं
विशेष का जली योगदान रहा है।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
में संलग्न के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(४) हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि के विकास में शिवप्रसाद ‘सितारे-हिन्द’ का योगदान।

भारतीय संविश्वान में हिंदी की
राजभाषा और देवनागरी लिपि की
सर्वेक्षणिक स्थिति उदाहर की गई है।

पर: हिंदी भाषा और देवनागरी
लिपि के वर्तमान के मानक रूपों के विकास
में ‘कठीभाषार्विकानिकों’ जा शोगदान है।

शिवप्रसाद सितारे-हिंद का योगदान
१९वीं सदी के शविष्ट में

राजा शिवप्रसाद सितारे-हिंद द्वारा
जारी किए खड़ी बोली का समर्थन
किया गया तो वही राष्ट्रात्मक
सिंह द्वारा संस्कृतमिले खड़ी बोली का
उत्तरण किया गया है।

प्रेमचंद, कुद्रवनि, विश्वम्भूर्नाथ
कीशिक आदि द्वारा शिवप्रसाद सितारे-हिंद
की भाषा का ही अपनाया गया।

त्रोगराम

जल्दी भोजन का सप्तवा, मानव शमसार,
हनिहास-निमिर्न-नाशक फुरुर बनाते हैं।
(जिनमें खट्टी बोली का प्रयोग लिया)
अपवाद - मानव श्वर्णसार में संकृत का प्रयोग

- १) १४६० में शिशुविभाग के अधिकारी बन्ने के बाद खट्टी बोली का प्रयोग की प्रोत्साहन किया।
- २) हिन्दी में फारसी के क. ख. ग. फ. औ तुक्ता का पारंभ इन्हीं के द्वारा किया गया।
- ३) भाषा को व्याकरणिक हावे से सरल बनाने के प्रयास किये।
- ४) वर्तमी की छिप उक्तिपत्र दिखायी देनी है।
सक्ता → सक्ता

प्रता: वर्तमान की भावन हिन्दी के विकास में राजा शिवधुसाद मित्रोदित्य का योग विस्मरणीय है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अंतर्वर्तीन कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

२. (क) हिन्दी साहित्य के विकास में अपशुंश के योगदान पर प्रकाश डालिये।

प्रबन्ध: हिन्दी भाषा के विकास के साथ चारमध्य ही जागरूक।

ईंटिक कालीन संस्कृत से वर्तमान हिन्दी के विकास के बीच अद्वितीय भाषाएँ के प्रश्नों के तहत हिन्दी साहित्य का विकास अमीर समानोन्नरण होना गया।

हिन्दी साहित्य के विकास में

अपशुंश का रोगदान

प्रश्न के स्तर में

शिल्प के स्तर में

अपशुंश के संतरित मुख्यतः लोकगीत पर लाखारित साहित्य की रूचना का धारम हुआ।

→ यादिकाल में वीरगाया माहिती की बन्ना पारंभ हुई।

उदाहरण - चारण कवियों द्वारा
- अनुबरदीश शृंखलाज्ञासी
की रचना

- वित्त काव्यों की रचना का प्रारम्भ जिनमें
मुख्य चरित्र के आशार पर महाकाव्यों
की रचना की गई
- उदाहरण शृंखलाज्ञासी
बीसलदेव चामो
परमाल चामो
- धार्मिक विषयों पर कैत्ति लाइटिंग
रचनाओं का प्रारम्भ
- उदाहरण मिथुनाश परम्परा
 १) पाण्डित सत्य सकल बरलाह
देखि बुहु बमल छ जाहाह ॥
- जाश परम्परा में
 २) जोगी क्षमा द्वारा जग ने इन्हे उदास
तज निरञ्जन पारये कह मत्तवंदनाथ ॥

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतर्गत कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

→ महाकाव्यों की रचना
उदाहरण स्वम्भु द्वारा प्रभु विद्वि की
रचना

- लोक काव्यों की परम्परा का विकास
उदाहरण सदेश रामक
दौला भारत राजा
शिल्प के इतिहास

- १) सांस्कृत के वार्तिक द्वारा के स्थान पर
मान्त्रिक द्वारा का चयोग घारंभ
उदाहरण दृष्टि, सोरग
- मुख्यतः दोहरे विभागिक प्रारम्भ
शपथंज की ही देने हैं।
- २) काव्य रूपों में काग, चांचरी, गम, चढ़
आदि का आरंभ
- ३) काव्य रूपिशों जिथे- बारहभासा,
नाशिका नश रशिश वर्णि, शुक शुकी

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

संवाद - भाषि मुख्य विशेषता ।

→ उबल्च काल्पनि में मंगलवरण, दुर्जनियों,
हृष्णव-षशंका का घाटन

Q) दोहरा वीराम में कठवक्क बहुद परम्परा
का आरम्भ छिसपैं । या न वीराम
में एक दोहरा काल्पनिक विद्या जाना है।
इषाहरण - भाराती द्वारा पद्मावत में
उपरोक्त

प्रमुख साहित्यिक उदाहरण

जो मराज्जय खटिया पर तो कीजागिरि
न खर्ष भाँस ,
जो मराज्जय रणम्भ तम्भ नाम अमाली
भाँस)

इन्हीं साहित्य के उपरांग
काल में अपकृश का व्यापक प्रयोग या
जिसके साहित्य की समृद्धि परम्परा का
लिया जिया ।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(ख) हिन्दी में अनूदित लेखन पर प्रकाश डालिये।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space.)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space.)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space.)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space.)



641, प्रधम तल,
मुख्यगी नगर,
दिल्ली 21, पूर्णा रोड,
कलोल बाग,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंद भाग,
सिविल लाइन्स, प्रयागराज
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

प्रथम एवं द्वितीय तल, प्रांपटी
नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
माल, विद्यानन्दा भाग, लखनऊ
पर्सुराम कालोनी, जयपुर
प्रथम एवं द्वितीय तल, प्रांपटी
नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
माल, विद्यानन्दा भाग, लखनऊ
पर्सुराम कालोनी, जयपुर



641, प्रधम तल,
मुख्यगी नगर,
दिल्ली 21, पूर्णा रोड,
कलोल बाग,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंद भाग,
सिविल लाइन्स, प्रयागराज
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

(ग) 'दक्षिणी हिंदी' के प्रयोग-क्षेत्र बतलाते हुए 'दक्षिणी हिंदी' की भाषागत विशेषताओं का उद्घाटन कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



दृष्टि इस स्थान में प्रश्न
मंस्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
मंस्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

3. (क) स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु किए गए सरकारी प्रयासों पर प्रकाश
डालिए।

20

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधम तल,
मुख्यमंत्री नगर,
विस्तीर्ण
करोल बाग,
नई दिल्ली
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation

22



641, प्रधम तल,
मुख्यमंत्री नगर,
विस्तीर्ण
करोल बाग,
नई दिल्ली
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

23

Copyright - Drishti The Vision Foundation



कृपया इस स्थान में प्रश्न
माला के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
माला के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधाम तला,
मुख्यमंत्री नगर,
दिल्ली 21, पूर्णा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंव मार्ग,
नं. 47/CC, वर्लीगढ़न आर्केड
प्रधाम एवं हिन्दीय तला, प्राप्ती
सिविल लाइन्स, प्रधामराज
माल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ^{एसटी नंबर-45 व 45-A}
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
करुणा कलानी, जयपुर^{हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,}
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com^{वर्लीगढ़न आर्केड}

Copyright - Drishti The Vision Foundation



641, प्रधाम तला,
मुख्यमंत्री नगर,
दिल्ली 21, पूर्णा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंव मार्ग,
नं. 47/CC, वर्लीगढ़न आर्केड
प्रधाम एवं हिन्दीय तला, प्राप्ती
सिविल लाइन्स, प्रधामराज
माल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ^{एसटी नंबर-45 व 45-A}
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com^{हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,}
वर्लीगढ़न आर्केड
माल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ^{वर्लीगढ़न आर्केड}

Copyright - Drishti The Vision Foundation



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



(ख) विहारी हिंदी की वालियों का परिचय दीजिए।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधम तल,
मुख्यमंत्री नगर,
दिल्ली 21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली 13/15, ताशकब्र मार्ग,
निकट परिका चौराहा,
सिविल लाइस, प्रधामगढ़ न, 47/CC, चैलेंगटन आर्केड
मार्ग, विधायकमार्ग मार्ग, लखनऊ^{एस्टेट नंबर-45 व 45-A}
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर^{हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,}
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

26

Copyright - Drishti The Vision Foundation



641, प्रधम तल,
मुख्यमंत्री नगर,
दिल्ली 21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली 13/15, ताशकब्र मार्ग,
निकट परिका चौराहा,
सिविल लाइस, प्रधामगढ़ मार्ग, लखनऊ^{एस्टेट नंबर-45 व 45-A}
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर^{हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,}
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation

27



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अलिंगन कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अलिंगन कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)



641, प्रधम तल,
मुखर्जी नगर,
दिल्ली 21, पूसा रोड,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंद मार्ग,
सिविल लाइन, प्रयागराज
मांल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

28



641, प्रधम तल,
मुखर्जी नगर,
दिल्ली 21, पूसा रोड,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंद मार्ग,
सिविल लाइन, प्रयागराज
मांल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

29



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतरिक्ष कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(ग) श्री कामताप्रसाद गुरु के हिंदी व्याकरण-लेखन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

15

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतरिक्ष कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधम तल,
मुख्यमंडप, नगर,
विल्सो

21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली
सिविल लाइन, प्रधानमंडप
मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट परिवाक चौराहा,
मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रांपटी
नं. 47/CC, वर्लिंगटन आर्केड
मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रांपटी
हर्ष टावर-2, मैन टोक रोड,
बसंधरा कॉलोनी, जयपुर

प्लॉट नंबर-45 व 45-A

30



641, प्रधम तल,
मुख्यमंडप, नगर,
विल्सो

21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली
सिविल लाइन, प्रधानमंडप
मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट परिवाक चौराहा,
मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रांपटी
हर्ष टावर-2, मैन टोक रोड,
बसंधरा कॉलोनी, जयपुर

प्लॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, मैन टोक रोड,
बसंधरा कॉलोनी, जयपुर

31



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



4. (क) 'राजभाषा हिंदी' की वर्तमान स्थिति में सुधार हेतु सुझाव दीजिये।

20

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रथम तला,
मुख्य नगर,
विल्सो
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

21, पूरा रोड,
करोल बाग,
विल्सो
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट पश्चिम चौराहा,
सिंधिल लाइन, प्रयागराज
मार्ग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

प्रथम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, वरिंगटन आर्केड
मार्ग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

एलटी नवरा-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, मेन टाक रोड,
चतुर्थ कालोनी, जयपुर

32



641, प्रथम तला,
मुख्य नगर,
विल्सो
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

21, पूरा रोड,
करोल बाग,
विल्सो
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट पश्चिम चौराहा,
सिंधिल लाइन, प्रयागराज
मार्ग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

प्रथम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, वरिंगटन आर्केड
मार्ग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

एलटी नवरा-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, मेन टाक रोड,
चतुर्थ कालोनी, जयपुर

33



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतरिक्ष कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधाम तल,
मुख्यमंत्री भवान,
दिल्ली
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiiAS.com

21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली

13/15, ताशकोद भवान,
निकट परिका चौराहा,
सिविल लाइन, प्रधानमंत्री

प्रधाम एवं द्वितीय तल, प्रोफेटी
नं. 47/CC, चार्लिंगटन आर्केड
पाल, विधानसभा भवान, लखनऊ

एसॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, नेन टोक रोड,
वसुधरा कॉलोनी, जयपुर

Copyright – Drishti The Vision Foundation



641, प्रधाम तल,
मुख्यमंत्री भवान,
दिल्ली

21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली

13/15, ताशकोद भवान,
निकट परिका चौराहा,
सिविल लाइन, प्रधानमंत्री

प्रधाम एवं द्वितीय तल, प्रोफेटी
नं. 47/CC, चार्लिंगटन आर्केड
पाल, विधानसभा भवान, लखनऊ

एसॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, नेन टोक रोड,
वसुधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiiAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतरिक्ष को
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतरिक्ष को
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(ख) उनीसबीं सदी में खड़ी बोली हिंदी के विकास में सामाजिक सुधार आनंदोलनों की भूमिका
पर प्रकाश डालिए।

15

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रथम तल,
मुख्यालय नगर,
दिल्ली
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation

36



641, प्रथम तल,
मुख्यालय नगर,
दिल्ली
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

37

Copyright - Drishti The Vision Foundation



कृपया इस स्थान में
संख्या के अंतरिक्ष कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधम तल,
मुख्याली नगर,
दिल्ली

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 ::

21, पूर्णा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली

ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

13/15, ताशकबंद मार्ग,
निकट परिवाक चौराहा,
सिविल लाइन, प्रयागराज
मौल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्राप्ती
नं. 47/CC, बलिंगटन आर्केड
मौल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, भेन टोक रोड,
वसुंधरा कॉलेजी, जयपुर

38



641, प्रधम तल,
मुख्याली नगर,
दिल्ली

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 ::

21, पूर्णा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली

13/15, ताशकबंद मार्ग,
निकट परिवाक चौराहा,
सिविल लाइन, प्रयागराज
मौल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्राप्ती
नं. 47/CC, बलिंगटन आर्केड
मौल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
प्लॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, भेन टोक रोड,
वसुंधरा कॉलेजी, जयपुर

39



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(ग) दक्षिणी हिंदी के विकास में आदिलशाही वंश के शासकों के योगदान का निरूपण कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधम तल,
मुखर्जी नगर,
दिल्ली

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501

21, पूर्ण रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली

13/15, ताशकंव भाग,
निकट परिवार चौराहा,
सिविल लाइन, प्रयागराज
माल, विधानसभा भाग, लखनऊ

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रांपटी
नं. 47/CC, बलिगढ़ आर्केड
हर दारा-2, मेन टोक रोड,
बसंथग कालीनी, जयपुर

एसटी नंबर-45 व 45-A

40



641, प्रधम तल,
मुखर्जी नगर,
दिल्ली

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501

21, पूर्ण रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली

13/15, ताशकंव भाग,
निकट परिवार चौराहा,
सिविल लाइन, प्रयागराज
माल, विधानसभा भाग, लखनऊ

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रांपटी
नं. 47/CC, बलिगढ़ आर्केड
हर दारा-2, मेन टोक रोड,
बसंथग कालीनी, जयपुर

एसटी नंबर-45 व 45-A
हर दारा-2, मेन टोक रोड,
बसंथग कालीनी, जयपुर

41

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अंतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please do not write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अंतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख

5. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये:

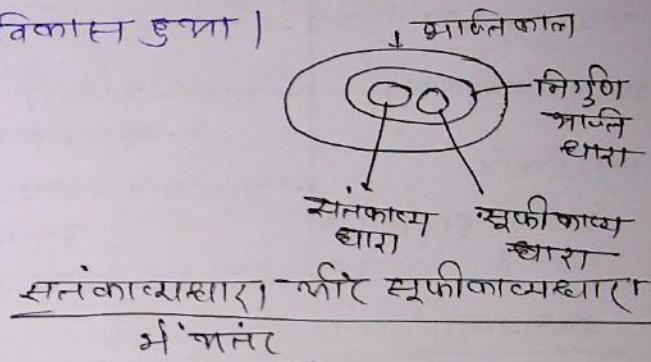
$10 \times 5 = 50$

(क) संतकाव्यधारा और सूफीकाव्यधारा में अंतर

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please do not write anything in this space)

हिन्दी साहित्य के आवृत्तिकाल

की नियुण आवृत्तिकाल के अंतर्गत ही संतकाव्यधारा और सूफीकाव्यधारा का विकास हुआ।



संतकाव्यधारा

- दक्षिण - शंकर जा
प्राईतवाद
- इपनिषद्-जा
ध्याव

- चमाव - सिद्ध-नाश
हृष्णोंगा-जा
ध्याव

सूफी काव्यधारा

- दक्षिणी इक्किशवर वाद
- सूफी तसल्तुफ

ध्याव - इक्लाभ

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अलिंगन कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

संतकाव्यस्थारा

- साधारणतम् करहस्यवाद् → आवनात्मक
रहस्यवाद्
- अंतमुखी रहस्यवाद् → बहिमुखी रहस्यवाद्
- श्रीगंभार्गी का महत्व → उप्रागंभी का महत्व
- भाकरतङ्गी, गमायिका → उप्रागंभी, भास्तुरी
- भाषा - सच्चुलकी → भाषा - अवहारी
- फारमी
- अमृशकवि -
कवीर, द्वादू, नानक → अमृशकवि - जागरी
- कुतुबन
- मंडप

समानसार

- दोनों ही स्थारा में सुरुचा महत्व है।
- दोनों में नारी का माया और ईर्ष्णनाम का
रूप; भ्रामक भाना है।
- दोनों दोनों विद्विति विवरण की भाविति की
- सामाजिक सुधार परिवर्तन

परन्तु यहाँ संतकाव्यस्थारा सामिक भवित्वाम
का स्पष्ट करती है वही सूफी काव्यस्थारा
समन्वय स्थापित करती है।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अलिंगन कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(ख) नाटककार रामकुमार वर्मा

नाटककार रामकुमार वर्मा
का रहिती नाटकविद्वा के विकास में भान
दोगामहि।

इहोंपुरुषान् जयशंकरप्रसाद
की नाटक परम्परा का अनुभरण किया।
जिसके सहत दुखात्मक नाटकी का
नियन उभयं है।

इनके नाटकों में सादृश्वादी
विन्द्यारस्थारा का सर्वत्र पुभाव है साश्चादी
नारी वित्ती के सादृश्वादी घन्य की
महत्व दिखाया गया है।

नाटककार रामकुमार वर्मा के नाटक

ऐनिहासिक सामाजिक अमृश लघुनाट्क
नाटक नाटक नारी एकीकी

ऐनिहासिक नाटक - मुख्यतः अतीत के
उर्ध्वशिव के साथ भवित्व के सुरु
की कामना से उर्ध्वन नाटक है।



दृष्टि इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

- प्रश्न-नाटक - शिवाजी (शिवाजी के द्वारा पर)
 - नीमुदी महोत्सव (वहाँ उपर की
जीतेष्ठन गाथा)
 - भाषीक काशक (कालिंग युद्ध के
पश्चात्)
 - कलार्थी कृपाण (उदयन के बीच
संबंधी)

सामाजिक नाटक

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(ग) अङ्गेय की काव्यानुभूति

~~अङ्गेय~~

अङ्गेय मुख्यतः एयोडावादी
कविना लोखण के महान् कवि है। अन्तर्भुत
जपनी काव्य रचना में नवीन उद्योग
किये।

उनकी अमाहसवीणा काविना

उनकी काव्यानुभूति की महाप
षष्ठुती है।

अङ्गेय की काव्यानुभूति

(१) आवनाशी की गहराई पर
काव्यादित काव्य रचना

(२) स्वस्म रीत्याकिन्त्यिंत्न की
महत्व दिया।



641, प्रथम तला,
मुख्यांग नगर,
दिल्ली 21, पूरा रोड,
कलेश थाग,
नई दिल्ली
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)



641, प्रथम तला,
मुख्यांग नगर,
दिल्ली 21, पूरा रोड,
कलेश थाग,
नई दिल्ली
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

- (६) पुरोगावादी कविता के अनुसार
पर्याप्तील विचारों का समाहित
किया है।
- (७) सात्त्व के प्राचिल्लवाद, दी.एस
इतियह के विचारित्वाद का
महान उभाव है।
- (८) आंतरिक विचारों पर ज्ञानाश्रो
जो महत्व

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

- (घ) प्रकृतवादी हिन्दी उपन्यास



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधान तल,
मुख्यमंत्री नगर,
दिल्ली 21, पूरा रोड,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंत भाग,
निकट परिका चौराहा,
नं. 47/CC, चर्चेंगटन आर्केड
मॉल, विधानसभा भाग, लखनऊ
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation



641, प्रधान तल,
मुख्यमंत्री नगर,
दिल्ली 21, पूरा रोड,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंत भाग,
निकट परिका चौराहा,
नं. 47/CC, चर्चेंगटन आर्केड
मॉल, विधानसभा भाग, लखनऊ
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

प्लॉट चबर-45 व 45-A
हरे टावर-2, बेन टोक रोड,
वसुकरा कलोनी, जयपुर
Copyright - Drishti The Vision Foundation

प्रश्न इस स्थान में प्रश्न
संख्या के लिए लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space.)

(Please do not write
anything except the
question number in
this space.)

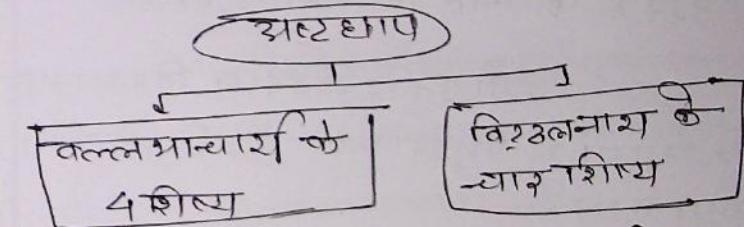
कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के लिए लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

प्रश्न इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

(ड) अन्त्याप

अन्त्याप का संबंध सुधारन:
कृष्णभाष्मि जाग्याहारा के महाव लविरो
के समूह से है।

इसमें वल्लभान्याशर्मी
एवं कृष्णभाष्मि और सुष्ठु पिठ्ठलनाथ के
शिष्यों की शामिल आक्षयाचार्या हैं।



- कृष्णदाम
- सूरदाम
- असम-ददाम
- शिवजस्तदकल्प
- सुभन्ददाम
- छीतस्वामी
- गोविन्दस्वामी
- दत्तुभिदाम
- न-दाम



कृपया इस स्थान में प्रदत्त
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

अल्टरेक्शन की स्थापना विडलनाश द्वारा
की जाती है।

चार द्वापर में सबसे प्रमुख कावि
स्त्रदाम भावि जालि है बिन्होंने
वलतभास्यार्थ के मिलने के बाद कृष्ण
की दास्य के रूपावध पर स्थित आवस्ति
जालि रही

‘सूर हृ के काहे धिधियान ही’

उसी पुकार नंदिदाम विठ्ठलनाथ
के शिष्यों में प्रमुख कवि है। जिनके लिये
प्रमुख कथा है-

(‘શ્રી’ કવિ જડિયા, નંદદામ જાડિયા)

कुमनदाम भी कृष्णभालि के
महान कवि हैं जिन्होंने राजनीतिक भोग
के स्थान पर भालि का भ्रष्टव दिया।

६ छुंभर्का कहा रमीकरी भी काम
सावत-जात पनहिया छुरी
बिसरी गायो हङिनाम । ”

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

6. (क) 'नई कहानी' की शिल्पगत विशेषताओं का उद्घाटन कीजिए।

ਏਹੀ ਜਹਾਜ਼ੀ ਯੋਦੀ ਲਈ ਕੀ

शुरूआत मुख्यतः बनानेवा आति हि
पश्चात् (१९५० की पश्चात्) भानी आति
हि।

वही कहानी आंदोलन के अद्यतीत का है

- (1) स्वतंत्रता गीत (विभाजन की विभिन्निका)
कै-कारण मोहरांग
 - (2) शहरों की ओर रौप्यगार हेतु पलायन
और शहरों का पक्षिलापन, भजन बीच,
निरस्तिकता बोध
 - (3) संयुक्त परिवार का दूरना गीत (एकल
परिवारों में दृष्टि से भावनाएँ) का
महत्व का
 - (4) स्त्री-बुजुघ संकरों वे परिवर्तन
- स्त्री-शिशु में दृष्टि से पिटू समाजक
समाजपर छोट
 - (5) बढ़ती शर्पन चेतनाएँ, अपराध, हिंसा ।



20

20 कृपया इस स्पैशन में
कृति न लिखें।
*(Please don't write
anything in this space.)*



641. प्रधान तत्त्व, मुख्यमन्त्री भारत, विलेनी	21. पूर्णा शेटे, कलोत्तमा शेटे, नई विलेनी	13/15, तासाकामा घारी, विकट परिवारा चौराहा, विविध लालापान, प्रधारापान दुरुस्थाप: 011-47532596, 8750187501	प्रधान एवं हितीय तत्त्व, प्रधारी न. 47/CC, विलेनीन आकोड पाल, विद्याधारा घारी, लखनऊ	प्लॉट नंबर-45-ए 5-45-A हाई टावर-2, मेरे टोके अपार्टमेंट परम्परा कॉम्प्लेक्स, जयपुर
---	---	---	--	--

Copyright – Drishti The Vision Foundation



641, प्रधम तल,
मुख्यमंत्री नगर,
विल्सन
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 | ई-मेल: help@groupdrishti.in | वेबसाइट: www.drishtiLAS.com

21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली

13/15, ताशकब मार्ग,
निकट पश्चिम चौहारा,
सिविल टाउन, प्रधानमन्त्री
मार्ग, विधायकमार्ग, लखनऊ

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रधर्णी
नं. 47/CC, वर्षीयन आकड़
मार्ग, विधायकमार्ग, लखनऊ

स्टेट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, बेच टोक रोड,
मसूदगढ़ कालोगांडा, जरूर

Copyright - Drishti The Vision Foundation

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृत्या इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतरिक्ष कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

नई कहानी आंदोलन की शिल्पगत विशेषज्ञता

- (1) कथानक का दूरना - नई कहानियों
में सुख्यातः कथानक के पारम्परिक
होटों के स्थान घर द्वारे हुए कथानक
की परम्परा पारम्परा

उदाहरण - गजेन्ह यादव की दूरना कहानी
में कुछ स्तर पर उपचंद की गिला कहानी
में भी एवं विशेषता खियान है।

- (2) आदि-मध्य-ध्यास के टोन्के का दूरना
पहले की आदिवासी कहानियों
में कहानी के पारम्परामध्य और सुख्यात
कथानक एक कृमिक ढोन्या होता था परन्तु
नई कहानियों में कोई कृमिक संरचना
नहीं।
उदाहरण - मार्कोडरा की इच्छा चीरदता

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतरिक्ष कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(3) भाषा का व्यापक होना

नई कहानी आंदोलन में भाषा ने याना
इतिहास का एक जीवंत - अंगीजी का
शक्ति, यंजाबी, बांला आदि का उपयोग
उदाहरण - दूरना कहानी में अंगीजी का उपयोग
‘कॉन्ट वी कॉरगोट पाहट’

(4) छत्तीकों का उपयोग

नई कहानियों में उपस्थुतकश्य
की पस्तुतीकरण हेतु छत्तीकों का अधिकाधिक
उपयोग किया जाता है।

उदाहरण - भेरा दूशमन कहानी में छारम्भ
में ही दांलोगों के यंजा लड़ने
का उत्तीक

(5) विभिन्न शौधना - नई कहानी आंदोलन के विभिन्न इवलेन शीर्षों

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

स्वाभाविक होते हैं नए किशानविदी कहानियों की तरह कागित चिह्नित।

- (६) रीनी - चैतन्यासुवाह रीनी, पत्नी रीनी,
डायरीलेखन, सूत्रीली का
प्रयोग।

उपर्युक्त संबंधी, (मन्मूषणीय)
की कहानी डायरीलेखन पर
आधारित है।

- (७) मुहावरों का प्रयोग भी होता है।
(८) आघात में जारी याता, काव्याभक्ता,
हवन्याभक्ता और विचारकता
के गुण भी होते हैं।

इन्हीं कहानी और दोनों ने
कथग एवं शिल्प के स्तर पर ऐसी
वार्षिकीयों की इसलिये इसका नाम
नहीं कहानी उचित उत्तीर्ण होता है।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

- (७) घनानंद के काव्य-शिल्प पर प्रकाश डालिए।

घनानंद मुख्यतः रीनिकाल
के सबसे महान् कवियों में से एक है।
इनका संबंध रीनिकाल की रीनिभूत
काव्याल्लास से है।

प्रथमिंद्र दरबार में रहने हुए
भी कहाने द्युर्धीयशुभाति के स्थान
पर उपनी आवनायी की गहराई के पाद्यार्थ
पर काव्यरचना की।

पुरुषरन्धनाएँ - उमसुभान

घनानंद का काव्य शिल्प

घनानंद के काव्य शिल्प की अद्भुत
छवियों के कारण इन्हीं आघात के स्तर पर
आघात भवीन की संग्रही गृही श्री

आघात - मुख्यतः जप्तमाधु का उपयोग
साशही फारसी, भरवी शस्त्रों का
श्री राशानंदाव उपयोग किया।

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अलावा कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

आन्याशीशुर्कल ने इनकी शिल्पगत
विशेषता की सुशंसा भवित्व बनायी
कहा है

“आषाढ़ पर जैसा असूक आयिका
इनका आवृत्ति किसी भी
कवि का नहीं थी। अतः ये
आषा के उभीं थे।”

→ ईली - आषा में समिद्धा के स्थान पर
व्याघ्रा र्धीत्वाणा शब्द ईली
का अधिक उपयोग किया गया है।

→ मुहावरों और लोकाच्छियों का प्रयोग
की इनकी आषा को सम्बद्ध उदाहरण
करता है।

→ घाँड़ - घाँड़ के लक्ष दोहरा, कविता,
स्विया का प्रयोग

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अलावा कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

- जलंकाट - जलंकारी का उपयोग गहरा
जनुभूति की प्रत्युति है इसकी
वर्माकाट उत्पन्न करते हैं तु

विश्वामास जलंकाट

“उज्जरनि बासि है व्यामी अंगियानी देखा,
इलैष जलंकाट

“तुम कीनि सीपाटी पट्ठ हो जला,
मन केहे हैं जै लेहू व्याटांक नहीं”

घनानंद ने मुख्यतः विश्वामी
जलंकाट पर आहाति काल्पनिक व्यापा की
परन्तु वृन्दावन घानि के बाद कृष्ण आजि
ने लीनि हो गा।

रे री रुप आगामी रात्रि, शाही रात्रि रात्रि रात्रि
तुसमें मिलने का ब्रजमाल्व बहुल उत्तम है साथ
एत; घनानंद का कथा भी शिल्प
होना ही उनकी सूक्ष्म रूप गहरा ब्रह्मि का
प्रत्युति करता है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(g) छायावादी कविता के विव-सांदर्भ पर प्रकाश डालिये।

छायावाद की शुल्कभाषा
मुख्यतः 1930 के दशक से आरम्भ
भावी जाति है। जिम्मेदारी-पाइयाम
साहित्य की कालरिज़, वृत्तिविश्व की
स्वरूपोदावादी काव्य का उत्पाद भावा
जाता है।

आरनीप छायावादी कविता में
घमुख कवियों में सुखुमित्रानन्दपापत्तं,
जयशंकर घुसाद, सुशक्तिनंत लिपाठी विराला,
जीर्द महादेवी चम्पा का नाम उल्लिखित
है।

छायावाद मुख्यतः भृत्योग,
शृंगारस, जादि विषयों पर आधारित
है पाल्तु पान्चार्घ शुब्ला हारा छायावादी
कविता की साहित्य में रूपांतरण-विशेष
स्थान नहीं रहिया गया है।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

छायावादी कविता का विवर स्वीकृतम्

छायावादी कविता में उक्ति
के सांदर्भ को प्रकाशित करने हेतु
कई प्राकृतिक उपादानों का प्रयोग विवर
मिशनि हेतु किया गया है।

इस काल में 'बिगबी' के नाम
एकार सामने आया।

लिख

विराट शीर्ष सांस्कृति
विस्त

कीमल शीर्ष
सुखुमार विस्त



इसका प्रयोग मुख्यतः जीर्णगुण शुब्ल
कविता में किया गया है।

उदाह-

‘है चमाविशा उगलना गगन धनयं द्युकार
खो बहा दिशा काकान स्तव्या है पवन
धार’

राम की शान्ति शूष्या गरा उद्धृष्ट
सुशक्तिनंत लिपाठी विराला राम
मुख्यतः एकार।

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कोमल भीर सुकुमार विमल

इस प्रकार के विमल का उद्योग मुख्यतः
झंगारस के संयोग पथ के निकल पर
स्टीर चक्रति के सीधे के बरनि भी
किया जाता है।

अद्दा०

१ नराजी का नरनों से जीपन पियसम्भाषण,
घलकी का नवपलकी घर बुधमोत्थान
चलन।”
(छान्दोग्यकाण्ड लिपार्थी ३५)

छायावादी कविताओं में विमली
जा ऐसा सहस्र उपाग है कि कविता का
पढ़ते ही, उंगलों के सामने भजीव
चित्त लौटने लग जाते हैं।

जल: छायावादी काविताओं
की विभवतीजना शान्तिमें है।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

7. (क) विहारी रीतिकाल के सर्वश्रेष्ठ कवि क्यों माने जाते हैं? सोदाहरण उत्तर दीजिये।

20

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

विहारी की गीतिकाल के
सर्वश्रेष्ठ कवि की संज्ञा दी गई है। वनके
एषा मुख्यतः झंगारस परलास्याति
काव्य कव्यों की गई छिसका उद्देश्य
द्वारा यशा कमायाता घरन्तु साध ही
इन्होंने सामाजिक एवं लार्यिक सम्पादों
चरक्षण दिया है।

श्रीग्रन्थनिष्ठा विहारी की
पुरांसा में निष्ठकशन फहाराया है।

“श्री श्वरीप में विहारी के समान
एक और कवि नहीं है जो विहारी
की बशबरी कर सके।”

विहारी की श्वरीपता के आदाएँ

कश्य के स्तर
पर

श्रिला के स्तर
पर

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अधिकारी को
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृत्य के स्तर पर

- (Q) श्रगा का विच्छिन्न बहुनि छिसमै भ्रंगा
रस के संयोगार्थी विशेष सभी वष्टी
का कविता है।
- ‘वतरस लालकलाल की छुरली छारी लुकाय
सीहे कर भाँहवी हैं देन कर्त न आय’
- (Q) काव्य में मुच्छनः भव्यम् का कौन
नायक-नायिका की रखा है? भी
उनकी भावगाण्डी एवं चेम का चर्चा
किया है।
- ‘कहन न रह री भवन भिजत भिलन घिलन
अरे भीन भी करत है भैनुनु ही सीबात
- (Q) राजनीतिक चेतना की भी व्याप्ति में
रखा है एवं राजा की झासम भी व्याप्ति
देने का आवान किया है।
- साहि पराग नाहे गद्युम्भस्यु, नाहि निकाम
आलिकाले ही सो बहरी व्याा की न हवात,

कृपया इस स्थान में
कोई न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अधिकारी को
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(Q) पादिवारिक चेतना पर भी पुकाश गला,
जारी की अविवार की गयां हैं तुङ्गीषण
का सहना का कविता भी अधिकृत छिया
है।

‘कहनि न देवर की तुमाने, कुलनिय कलह
ज्ञानि ..

(Q) कृष्ण भावित भावना का भाव

‘मेरी भव हरी राशा नागि साई
ज्ञा तन जी ज्ञाई पड़त स्याम हाति छुति
होय ..

शिल्प के स्तर पर

(Q) भाषा - भवभाषा का सुन्दर व्योग
किया है।

(Q) विद्युत्प्रयोग - बिम्बी का कीविष्य है।

(Q) प्रलंकार - नश्वरिलाला का विस्तृत
व्योग

कृपया इस स्थान में प्रश्न
मात्र के अंतरिक्ष में
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

काव्यरूप - मुक्तफ होंदी-काचमोग

सातसंगि के दोहरे जीवनिक केन्द्र
देखन में छाई लगभग छाव के जंभीए

चुनीकशोधना

॥ चिन्मत का सबसे महान् ७८० ॥

कहतनरत रीझन छिलन छिलन
छिलन लजियान
जरीजीपन जरूरत है नैनु ही नी
जान ॥

इसी काव्य किहारी की
रीनिकाल का सर्वांगीकरण माना जाया
है। किहारी सनसनी इनकी अद्वितीयता
की प्रिशानी है। इह गांगा पर सागर
के कानि की संगमीकी जानी है।

कृपया इस स्थान में
कृत न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
मात्र के अंतरिक्ष में
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

(ख) पद्माकर के शृंगार-वर्णन पर प्रकाश डालिये।

पद्माकर मुख्यमनः रीनिकाल
काव्यशारा के रीनिबहुद काव्य के
महान् कावि है।

जिन्होंने रीनिकाल की बहानाग्रंथ
उत्तमरा-ए आवाटिन काव्य रूपना
की है।

पद्माकर रूपना - जगद्विनोद

पद्माकर काव्यांग वर्णन

(1) पद्माकर मुख्यमनः शंगार के कावि है।
जिसमें देहमुलक शंगार का वर्णन छिया
जाया है।

इनके जात्यों जी जीवनिका के
अंतीं की पुराना जीवन, विलास
कादि ज्ञातना से की गई है।

दृष्टि इस स्थान में प्रति
संख्या के अंतरिक्ष को
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

पुल गुली छिल मेरे गलीन्हा है शुनिघन है।
मैं जैह है सुराही है छार है और व्यालाहै।

(५) संयोग की स्थितियों का बर्णन दीजिए।
उत्तमवार्ता का भाव्यम् है
मुख्यम्: लोली के व्योहार में।

“रा अनुराग की फार न रही
जहाँ राजन राज छिशोरु छिशोरी
जोशीप सांग भीजीगा रुचाम्,
रुचाम् सांग भीजीगी जोशी।”

(६) वियोग के बर्णन में लिये गए नवुओं
की पाठ्यादेशनाया गया है।
कल्पु के भाव्यम् है विरह
वेद्याजी वडप उपागर ही है।
“ पावस बनाओ ना विरह न बनाओ
जो विरह बनायो तो पावस नहीं ॥ ”

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रति
संख्या के अंतरिक्ष को
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

“शंगारम् के साथ वीरम्
का वर्णिती उनके काव्य मेरे हैं चिमका
काठा छरबारी भाँहील ही था।

“ उपर्की लपलकी हाँड़की भहौ है
पुली चिलिका भी सड़की घहो है। ”

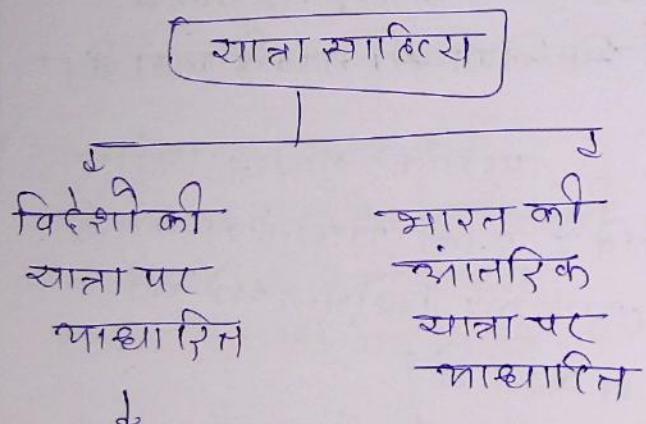
“पूर्माल मुख्यम्: शंगार
के कवि हैं उनके अधिकांश काव्य
शंगारम् की विशेषताओं का
भाठा करते हैं।”

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अलिंगन कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

- (ग) निम्नलिखित क्रमांक के यात्रा साहित्य के वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिये।

निम्नलिखित क्रमांक का यात्रा
साहित्य के इन्हें में भवन्नयोग -
हासि।



इनके द्वारा श्रूति के कुछ देशों की
यात्रा की गई साध ही रूप, उँगाम
की यात्रां प्रमुख हैं।

15

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अलिंगन कुछ
न लिखें।
(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

प्रमुख यात्रा बृहांत

- (१) चीड़ी पर न्यायिक
(२) हर बारिश में
(३) छुट्टियों से उठनी प्लून

यात्रा बृहांत जीपी नहीं
गढ़ाविद्या परे निम्नलिखित
महान् योगदान हैं।

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (क) जयशंकर प्रसाद और अजय की कहानी-कला की तुलना कीजिये।



20

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)



641, प्रधम तल,
मुख्यांगी नगर,
दिल्ली 21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट पवित्रा चौराहा,
सिविल लाइन्स, प्रयागराज
मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
प्रथम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
वसुया कॉलोनी, जयपुर
प्लॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
वसुया कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

72



641, प्रधम तल,
मुख्यांगी नगर,
दिल्ली 21, पूसा रोड,
करोल बाग,
नई दिल्ली 13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट पवित्रा चौराहा,
सिविल लाइन्स, प्रयागराज
मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
प्रथम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
वसुया कॉलोनी, जयपुर
प्लॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
वसुया कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation

73



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रथम तला,
मुख्यांगी नगर,
दिल्ली

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

21, पूरा रोड,
करोल आग,
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट पश्चिम चौराहा,
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

प्रथम एवं द्वितीय तला, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, बलिंगटन आर्केड
मॉल, विद्यानन्द मार्ग, लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
चमुण्डा कलोनी, जयपुर



641, प्रथम तला,
मुख्यांगी नगर,
दिल्ली

21, पूरा रोड,
करोल आग,
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट पश्चिम चौराहा,
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

प्रथम एवं द्वितीय तला, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, बलिंगटन आर्केड
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
चमुण्डा कलोनी, जयपुर



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



(ख) मोहन राकेश के नाटक 'आधे-अधूरे' के महत्व पर प्रकाश डालिये।

15

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रथम तला,
मुखजी नगर,
दिल्ली

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiLAS.com

21, पूरा रोड,
मुखजी नगर,
दिल्ली

नई दिल्ली

13/15, ताशकर मार्ग,
निकट परिका चौराहा,
सिविल लाइन, प्रयागराज

पोल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

प्रथम एवं द्वितीय तला, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड

हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,

वसुष्ठा कॉलेजी, जयपुर

76



641, प्रथम तला,
मुखजी नगर,
दिल्ली

नई दिल्ली

21, पूरा रोड,
करोल बाग,
निकट परिका चौराहा,

मार्ग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

13/15, ताशकर मार्ग,
नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,

सिविल लाइन, प्रयागराज
मार्ग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

77

वसुष्ठा कॉलेजी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiLAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation



कृपया इस स्थान में प्रश्न
माला के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



641, प्रधम तला,
मुखजी नगर,
दिल्ली 21, पूसा रोड,
निकट पश्चिम चौराहा,
चैम्पिल लाइन, प्रधानगढ़
माल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
हर्ष दावर-45 व 45-A
ग्र. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
हर्ष दावर-2, मेन टोक रोड,
वसुधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiLAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
माला के अंतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधम तला,
मुखजी नगर,
दिल्ली 21, पूसा रोड,
निकट पश्चिम चौराहा,
चैम्पिल लाइन, प्रधानगढ़
माल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ
हर्ष दावर-45 व 45-A
ग्र. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
हर्ष दावर-2, मेन टोक रोड,
वसुधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiLAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) रामवृक्ष बेनीपुरी के रेखाचित्र-लेखन पर प्रकाश डालिये।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)



कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)



641, प्रधम तल, 21, पूरा रोड, 13/15, ताशकब मार्ग, प्रधम एवं हितीय तल, प्रॉपर्टी एसटी नंबर-45 व 45-A
मुख्यजी नगर, करोल बाग, निकट पश्चिमा चौराहा, नं. 47/CC, बलिंगटन आर्केड हर्ष दावर-2, मेन टोक रोड, 80
दिल्ली सिविल लाइन, प्रयागराज माल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ वसुधारा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com



641, प्रधम तल, 21, पूरा रोड, 13/15, ताशकब मार्ग, प्रधम एवं हितीय तल, प्रॉपर्टी नं. 47/CC, बलिंगटन आर्केड हर्ष दावर-2, मेन टोक रोड, चौराहा, सिविल लाइन, प्रयागराज माल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ वसुधारा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com



कृपया इस स्थान में प्रश्न
मार्ग के अंतिम कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)



रफ कार्य के लिये स्थान (Space for Rough Work)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please do not write
anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न
मार्ग के अंतिम कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)



641, प्रधम तल,
मुख्यमंजी नगर,
दिल्ली

दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेलः help@groupdrishti.in :: वेबसाइटः www.drishtiIAS.com

21, पूर्णा रोड,
मुख्यमंजी नगर,
दिल्ली

दूरभाषः

13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट परिका चौराहा,
सिविल लाइन, प्रधानमान

दूरभाषः

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
मार्ग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

दूरभाषः

प्लॉट नंबर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
वसुधरा कालेनी, जयपुर

दूरभाषः

82



641, प्रधम तल,
मुख्यमंजी नगर,
दिल्ली

दूरभाषः

21, पूर्णा रोड,
मुख्यमंजी नगर,
दिल्ली

दूरभाषः

13/15, ताशकंद मार्ग,
निकट परिका चौराहा,
सिविल लाइन, प्रधानमान

दूरभाषः

प्रधम एवं द्वितीय तल, प्रॉपर्टी
नं. 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड
मार्ग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ

दूरभाषः

हर्ष टावर-45 व 45-A
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,
वसुधरा कालेनी, जयपुर

दूरभाषः

83



कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अंतरिक्ष कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

रफ कार्य के लिये स्थान (Space for Rough Work)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

The Vision

641, प्रथम तल, 21, पूरा रोड, 13/15, दावाकबद मार्ग,
मुख्यमंडी नगर, करोल बाग, निकट परिवार चौपाहा,
दिल्ली नई दिल्ली सिविल लाइन, प्रधानमान् आँकड
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtilAS.com

84